3 (Sem–3/CBCS) HIN–HC 1

2023

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–3016

(छायावादोत्तर हिन्दी कविता)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) केदारनाथ अग्रवाल को 'सोवियत लैंड नेहरू' पुरस्कार किस काव्य-संग्रह के कारण मिला?

(ख) 'नेता क्षमा करें' कविता के कवि कौन हैं?

(ग) गिरिजा कुमार माथुर की कविताओं का मुख्य विषय क्या है?

(घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना किस काव्यधारा के कवि हैं?

(ङ) प्रगतिवादी विचारधारा के एक कवि 'बाबा' नाम से पुकारे जाते हैं। कवि का नाम क्या है?

(च) रामधारी सिंह 'दिनकर' को किस ग्रंथ के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?

(छ) 'गीत फरोश' कविता के कवि कौन हैं?

(ज) कविता की निम्न पंक्तियों को पूरा कीजिए :

मातृभूमि पर _____ चढ़ाने,
जिस पथ जावें _____ अनेक।

(झ) अज्ञेय के किसी एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए।

(ञ) भवानी प्रसाद मिश्र के किस काव्य-संग्रह के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) "तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान।"

प्रस्तुत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'तार सप्तक' के किन्हीं दो कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

(ग) अज्ञेय का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(घ) "जब भी
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुन्दर दीखने लगता है।"

प्रस्तुत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) "हँसो पर चुटकलों से बचो
उनमें शब्द हैं।"

कवि क्या कहना चाहते हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'छाया मत छूना मन' के जरिये कवि गिरिजा कुमार माथुर ने अतीत की सुखद स्मृतियों का किस तरह वर्णन किया है?

(ख) "तू तरुण देश से पूछ अरे,
गूँजा यह कैसा ध्वंस-राग
अंबुधि-अंतस्तल-बीच छिपी
यह सुलग रही है कौन आग?"

इन काव्य-पंक्तियों में निहित मूल-भाव पर प्रकाश डालिए।

(ग) "देखता हूँ मैं स्वयम्बर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है,
इस विजन में"

इन काव्य-पंक्तियों में निहित व्यंजना को स्पष्ट कीजिए।

(घ) "दाने आये घर के अन्दर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद"
—भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ङ) "नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सुना है
या कि मेरा प्यार मैला है।"
कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

(च) कवि सर्वेश्वर दयाल सक्सेना को भूखे प्राणियों में सुंदरता क्यों दिखाई देती है?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) 'कलगी बाजरे की' शीर्षक कविता के कलापक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'पुष्प की अभिलाषा' शीर्षक कविता के भाव पक्ष का विवेचन कीजिए।

(ख) काव्य-सौन्दर्य की दृष्टि से 'अकाल और उसके बाद' कविता की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'चन्द्र गहना से लौटती बेर' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'आज है केसर रंग रंगे वन' कविता के अनुभूति पक्ष की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'हँसो हँसो जल्दी हँसो' कविता की काव्य-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(घ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इस अंधकार में मधुराई दफनाना?
नभ सीख चुका है कमजोरों को खाना
क्यों बना रही अपने को उसका दाना?
फिर भी करुणा-गाहक बन्दी सोते हैं,
स्वप्नों में स्मृतियों की स्वाँसे धोते हैं?

अथवा

जी, माल देखिए, दाम बताऊँगा
बेकाम नहीं है, काम बताऊँगा
कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैंने,
कुछ गीत लिखें हैं पस्ती में मैंने
यह गीत सख्त सरदर्द भुलाएगा
यह गीत पिया को पास बुलाएगा।

* * *